भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1674

29 जुलाई, 2026 को उत्तर देने के लिए

विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (वाइज़-किरण) कार्यक्रम

†1674. श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः

श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालूः

डॉ. के. सुधाकरः

श्रीमती मालविका देवीः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में महिलाओं की भागीदारी और उन्हें बनाए रखने को बढ़ावा देने की दिशा में विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (वाइज़-किरण) कार्यक्रम के अंतर्गत कितनी प्रगति की गई है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान वाइज़-किरण कार्यक्रम की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त महिला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकीविदों की घटक-वार और वर्ष-वार संख्या कितनी है;

(ग) सरकार द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान सहित अनुसंधान, नवाचार और उभरते रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी, नेतृत्व और करियर प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वाइज़-किरण कार्यक्रम के अंतर्गत कवरेज, वित्तीय सहायता और संस्थागत साझेदारी का विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विमेन इन साइंस एंड इंजीनियरिंग-नॉलेज इन्वॉल्वमेंट इन रिसर्च एडवांसमेंट थ्रू नर्चरिंग (वाइज़-किरण) कार्यक्रम ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (एसटीआई) के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और उन्हें बनाए रखने को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह कार्यक्रम अपने विभिन्न घटकों के माध्यम से अध्येतावृत्ति, अनुसंधान अनुदान, छात्रवृत्ति, प्रशिक्षुता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण पहलों तथा संस्थागत सहायता प्रदान करके महिलाओं को उनके स्टेम करियर के विभिन्न चरणों पर व्यापक सहयोग एवं सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम ने 35 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के 300 जिलों में 1,00,000 से अधिक छात्राओं को लाभान्वित किया है, 4,000 से अधिक महिला वैज्ञानिकों को अध्येतावृत्ति एवं अनुसंधान अनुदान प्रदान किए हैं तथा लगभग 70 महिला-विशिष्ट संस्थानों को उन्नत अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के

माध्यम से सशक्त किया है। इन क्रियाकलापों के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा, अनुसंधान, करियर प्रगति और नेतृत्व-क्षमता विकास के अवसरों में बढ़ोतरी हुई, जिससे राष्ट्रीय स्टेम पारितंत्र में महिलाओं की भागीदारी और उन्हें इसमें बनाए रखने को बढ़ावा मिला है।

(ख) विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में महिला (वाइज़)-किरण योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत सहायता प्राप्त महिला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं प्रौद्योगिकीविदों का घटक-वार तथा वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

कार्यक्रम का नाम	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26**
वाइज़-पीएचडी	3	136	67
वाइज़-पीडीएफ	24	117	98
वाइज़-स्कोप	-	-	61
विदुषी	-	9	14
वाइज़-आईपीआर	-	94	-
सीयूआरआईई (क्यूरी)	4	11	13

(ग) से (घ): सरकार ने पीएचडी हेतु वाइज़ अध्येतावृत्ति (वाइज़-पीएचडी), वाइज़ पोस्ट-डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति (वाइज़-पीडीएफ), वाइज़-समाजोपयोगी चुनौतियाँ एवं अवसर (वाइज़-स्कोप), वैज्ञानिक उन्नति और नवाचारों के विकास एवं नए आयामों के उद्घाटन हेतु महिलाओं की सहज अंतर्दृष्टि (विदुषी), बौद्धिक संपदा अधिकारों में वाइज़ इंटर्नशिप (वाइज़-आईपीआर) सरीखें कार्यक्रमों तथा क्षमता निर्माण एवं नेतृत्व-क्षमता विकास संबंधी पहलों के माध्यम से अनुसंधान, नवाचार तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम प्रौद्योगिकियों एवं अंतरिक्ष विज्ञान जैसे उभरते हुए सामरिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी, नेतृत्व क्षमता तथा करियर प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। नेतृत्व प्रशिक्षण क्रियाकलाप का आयोजन प्रारंभिक एवं मध्य-करियर स्तर की महिला वैज्ञानिकों को निर्णय-निर्धारण संबंधी दायित्वों का निर्वहन करने हेतु सशक्त बनाने के लिए किया गया। इस कार्यक्रम ने अंतरिक्ष एवं संबद्ध विज्ञान क्षेत्रों की 168 महिला वैज्ञानिकों को प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षित किया। इस गतिविधि ने विभिन्न शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों में कार्यरत 3,000 से अधिक अतिरिक्त महिलाओं को भी सशक्त बनाया है। जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) जैव प्रौद्योगिकी करियर उन्नयन एवं पुनः अभिमुखीकरण (बायोकेयर) कार्यक्रम, अनुसंधान फेलोशिप तथा उद्यमिता पहलों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भी इस उद्देश्य को आगे बढ़ा रहा है। ये कार्यक्रम महिला वैज्ञानिकों को अनुसंधान के क्षेत्र में पुनः प्रवेश करने, स्वतंत्र वैज्ञानिक करियर स्थापित करने तथा वैज्ञानिक खोजों को नवाचार-आधारित उद्यमों में परिवर्तित करने में सहायता प्रदान करते है। भारत सरकार विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) विषयों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वाइज़-किरण कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम की निरंतर समीक्षा एवं उन्नयन किया जाता है, ताकि अध्येतावृत्तियों, अनुसंधान अनुदान, क्षमता निर्माण पहलों और संस्थागत साझेदारियों के माध्यम से महिलाओं के शैक्षणिक एवं अनुसंधान करियर के विभिन्न चरणों में सहायता के दायरे को व्यापक बनाया जा सके।

*****